सभी प्रकार की सरकारी सहायताओं से मुक्त, खोजी पत्रकारिता का तेज बढ़ता अखबार

दैनिक

themovementofindia.in

द मूवमेंट ऑफ़ इंडिया

RNI No. RAJHIN/2012/48876
पोस्टल पंजीयन नं. भीलवाड़ा / 2025-2027

खोजी खबरें-तेज नजरें

प्रेरणा स्रोत - स्व. चुन्नीलाल सालवी

ये अखबार ही नहीं क्रांति का अभियान है। मानवता एवं लोकतंत्र का सजग प्रहरी, ये दुष्टों की मौत का सामान है।

वर्ष - 14 अंक -35 | 29 जुलाई 2025,मंगलवार | संपादक - दयाराम दिव्य | सहसंपादक - चाहत सालवी | मूल्य - 2 रू.

मैं ये करू वो करू मेरी मर्जी ...

जिन्दल की जिद के आगे शासन-प्रशासन मौन

चारागाह की 1600 बीघा जमीन को खनि अभियंता ने जिन्दल शॉ के हक में कराया पंजीयन- दयाराम दिव्य

द मूवमेंट ऑफ इंडिया
- दयाराम दिव्य

भीलवाड़ा - राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन जिन्दल शॉ लिमिटेड की जिद के आगे मौन होकर सैकड़ों बीघा चारागाह भूमि को पंजीकृत करवाकर चारागाह के साथ ही आम जनता के अधिकारों एवं कानून की धज्जियां उड़ा रहा है, ऐसा ही एक मामला जिन्दल शॉ लिमिटेड द्वारा दिनांक 04.05.2012 को खनन पट्टे के वास्ते जिन्दल ने खनिज गोल्ड, सिल्वर, लेड, जिंक, कॉपर, आयरन, कोबाल्ट, निकल एवं एसोसिएटेड़ मिनरल्स निकट ग्राम लापिया तहसील बनेड़ा जिला भीलवाड़ा के क्षैत्र में 433.1033 हेक्टर शासन के आदेश क्र. प.17(158) खान/ग्रुप-2/05 जयपुर दिनांक 10.10.2011 द्वारा मैसर्स जिन्दल शॉ लिमिटेड के नाम पर भीलवाड़ा के तत्कालीन अधीक्षण खनि अभियंता अविनाश कुलदीप ने जरिये रजिस्टर्ड रजिस्ट्री दो गवाह हरक लाल विश्नोई पुत्र मांगी लाल विश्नोई एवं दूसरे गवाह श्री गुरविन्दर सिंह पुत्र श्री सेवा सिंह निवासी भीलवाड़ा के गवाह के आधार पर अविनाश कुलदीप ने जिन्दल के हक में दिनांक 01.04.2012 को निष्पादन कर दी, जबकि नियम यह है कि उपखण्ड अधिकारी 05 बीघा, कलेक्टर 25 बीघा जनहित के प्रयोजनार्थ हेतु आवंटित कर सकते है। उद्योग एवं प्राईवेट क्षैत्र को देने के लिये भी राजस्व कड़े नियम एवं कायदे है। लेकिन नियमों के अनुसार जो चारागाह भूमि अन्य राजकीय कार्य एवं जनहित में दी जाती है, उनके बदले में उतनी ही भूमि चारागाह के लिये आरक्षित करनी पड़ती है, लेकिन भाजपा एवं शासन के दोनों ही कार्यकाल में जिन्दल ने कानून एवं संविधान की धज्जियां उड़ाकर जन आंदोलन, जनहित के मुद्दे एवं प्रशासनिक मौनता के कारण सैकड़ों बीघा चारागाह भूमि जिन्दल के हक में दे दी गई है, जो जिन्दल शॉ लिमिटेड की मनमर्जी एवं जिद के आगे आम जनता, शासन, सरकार एवं संवैधानिक अधिकारों के साथ ही समस्त प्रकार के नियम, कानून व कायदे गौण साबित हुये है। जिन्दल की जिद देखिये कि लगातार कानूनों की अनदेखी, काश्तकारों की भूमि को किराये पर लेकर ऊंचे-ऊंचे पहाड़ बनाने के साथ ही आरक्षित चारागाह, तालाब, जोहड़ एवं धार्मिक स्थलों तक को खनन की जिद में लेकर पर्यावरण को चुनौती के साथ ही टेस्टिंग के नाम पर हजारों-लाखों टन खनिज सम्पदा का दोहन कर रहा है।

द मूवमेन्ट ऑफ इण्डिया ने जिन्दल शॉ लिमिटेड के खिलाफ लगातार 10 वर्षों से जनहित में मोर्चा खोलते हुये व्यापक स्तर पर सरकार व शासन को अवगत कराया है, जिसमें तत्कालीन पूर्व सांसद सुभाषचन्द्र बहेड़िया ने लोकसभा में जिन्दल की हठधर्मिता को लेकर कई बार मामले उठाये है।

जिन्दल शॉ लिमिटेड के प्रबन्धन एवं स्थानीय मैनेजमेन्ट कमेटी द्वारा राजनैतिक संरक्षण एवं प्रशासन पर दबाव बनाकर कानून एवं नियमों को धत्ता बताते हुये कई आरोप साबित हो चुके है।

अब सवाल उठता है कि जिन्दल द्वारा सिंचाई विभाग के नहर की जमीन को भी खनन के रूप में काम में लेकर पानी के आवक तक को रोक चुका है। वहीं पर्यावरण की अनदेखी कर

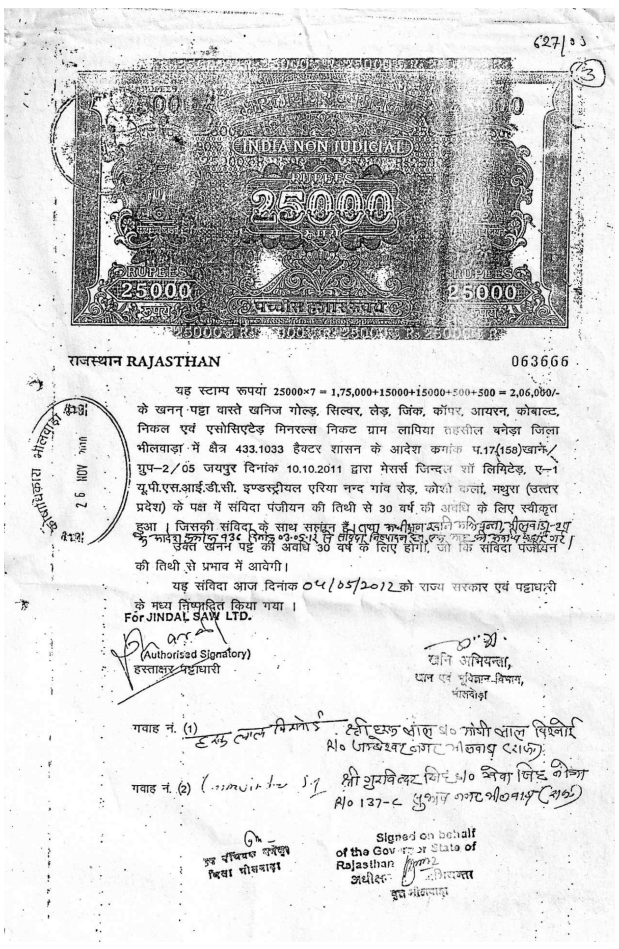

चारागाह एवं तालाब के पेटे जैसे क्षैत्र में अवैध खनन कर सरकार का लाखों-करोड़ का राजस्व तक डकार गया है, इसी की यह बानगी है कि शासन के नाम पर बगैर प्रदूषण नियंत्रण मण्डल की पर्यावरणीय स्वीकृति एवं आमजनता के सुझाव/आपत्ति की अधिसूचना के बगैर दिनांक 04.05.2012 को नियमों के विरूद्ध 433.1033 हेक्टर यानी की लगभग 1600 बीघा जमीन जो कि सुरास, दरीबा, धूलखेड़ा, लापिया, बनेड़ा की जमीन को अधिग्रहित कर चुका है, इसके बदले में सरकार के नियम, पर्यावरण के आदेश एवं खनिज विभाग की हठधर्मिता ने सारे कानूनों की धज्जियां उड़ाते हुये संवैधानिक अधिकारों का हनन कर चारागाह तक को हड़प चुके है। जिन्दल के ऐसे अनेक कारनामों को दर्जनों गांवों के ग्रामीण लगातार आंदोलन कर रहे है, लेकिन जिन्दल एवं खनिज विभाग के गठबंधन के चलते कानून की खिल्ली उड़ाई जा रही है। जिसका परिणाम यह हुआ कि अधीक्षण खनि अभियंता नियमों के विपरीत जाकर लगभग 1600 बीघा चारागाह की जमीन जिन्दल के नाम पर पंजीयन निष्पादित करा देता है।

लगातार.....

भीलवाड़ा में अधिकारी कर रहे जर्जर स्कूल-आंगनबाड़ी भवनों का निरीक्षण

भीलवाड़ा जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधु ने राज्य सरकार के निर्देशानुसार जिले के समस्त विद्यालयों (सरकारी एवं आवश्यकता अनुसार निजी) और आंगनबाड़ी केन्द्रों का सघन निरीक्षण करवाने के सख्त निर्देश जारी किए हैं। ताकि असुरक्षित, जर्जर और क्षतिग्रस्त भवनों की पहचान की जा सके और हादसों की संभावनाओं को रोका जा सके। इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए जिला कलेक्टर द्वारा एक कमेटी का गठन किया गया है, जिसमें उपखण्ड अधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी, तहसीलदार, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी और अधिशासी/सहायक अभियंता, सार्वजनिक निर्माण विभाग शामिल हैं। जिला कलेक्टर द्वारा कमेटी को निर्देश दिया गया है कि वे 3 दिवस में समस्त विद्यालयों और आंगनबाड़ी केन्द्रों व राजकीय भवनों का सघन निरीक्षण करे। आदेशों की अनुपालना में असुरक्षित भवनों का गहनता से निरीक्षण किया जा रहा है एवं आगामी 2 दिवसों में कमेटी जिला कलेक्टर के समक्ष विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

जिला प्रशासन का उद्देश्य बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा के लिए एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करना है।जिला प्रशासन आम जनता से अपील करता है कि वे इस महत्वपूर्ण कार्य में सहयोग करें और किसी भी असुरक्षित भवन की जानकारी जिला प्रशासन को दें।

शक में दोस्त पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला:युवक हुआ गम्भीर रूप से घायल

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

भीलवाड़ा में पत्नी के घर से भाग जाने से मानसिक तनाव में चल रहे युवक ने अपने ही मित्र पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। घायल को गंभीर हालत में पहले उप जिला अस्पताल लाया गया, जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है। मामला मांडल थाना क्षेत्र के नानकपुरा इलाके का है। यहां कंचन फैक्ट्री में काम करने वाले एक युवक संदीप को शक था कि उसकी पत्नी के भागने में उसके दोस्त अतुल कुमार का रोल है। इसी बात को लेकर सोमवार रात को जब अतुल ड्यूटी पर जाने के लिए घर से निकला, तो संदीप ने उस पर अचानक चाकू से हमला कर दिया।

आधा दर्जन से ज्यादा वार किए

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार संदीप ने अतुल पर करीब आधा दर्जन से ज्यादा बार चाकू से वार किए, जिससे वो लहूलुहान होकर गिर पड़ा। फैक्ट्री कर्मियों ने तुरंत उसे अस्पताल पहुंचाया,जहां प्राथमिक इलाज के बाद गंभीर हालत में भीलवाड़ा के जिला अस्पताल में रेफर कर दिया गया।

हमलावर को डिटेन कर पूछताछ शुरू

घटना की जानकारी मिलते ही मांडल थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आरोपी संदीप की तलाश शुरू की ओर कुछ देर बाद ही उसे हिरासत में ले लिया। फिलहाल पुलिस आरोपी युवक से डिटेल इन्वेस्टिगेशन में लगी है ओर घायल का इलाज जारी है।

कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा अचानक मेवाड़ यूनिवर्सिटी पहुंचे

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा आज (मंगलवार) चित्तौड़गढ़ जिले के गंगरार स्थित मेवाड़ यूनिवर्सिटी पहुंचे। उन्हें यहां एग्रीकल्चर डिप्लोमा और डिग्री को लेकर फर्जीवाड़े की शिकायत मिली थी। सूचना थी कि यूनिवर्सिटी में एक साल के डिप्लोमा कोर्स के नाम पर छात्रों को केवल 2 घंटे पढ़ाया जाता है। मंत्री मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे बिना सूचना के अचानक यूनिवर्सिटी पहुंच गए। उन्होंने वहां पढ़ रहे क्रूरू एग्रीकल्चर के स्टूडेंट्स से बात की। मंत्री के दौरे से यूनिवर्सिटी प्रशासन में खलबली मच गई।

मंत्री बोले- मेवाड़ यूनिवर्सिटी में डिप्लोमा व डिग्री में फर्जीवाड़ा

मंत्री बोले सिर्फ एग्रीकल्चर डिप्लोमा ही नहीं, क्रूरूष्ट हॉर्टिकल्चर और एग्रीकल्चर में भी फर्जीवाड़ा है। गोरखधंधा चला रखा है। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप के नाम से मेवाड़ नाम है। महापुरुषों का नाम खराब कर रहे है। युवाओं का भविष्य खराब कर रहे है।

एग्जाम शीट में भी किसी का साइन नहीं है। हर पेपर खाली है। जिसे 8 **नंबर मिले वो भी पास हो गया**

एग्रीकल्चर डिपॉर्टमेंट के जरिए स्वढ्ढक्रदर्ज करवाऊंगा

इस दौरान मंत्री ने बताया कि यह सभी फर्जी डिग्री है, रुपए लेकर पास कर रहे है। इस यूनिवर्सिटी की मान्यता नहीं है। ऐसे में दी जा रही डिग्रियां फर्जी है। बच्चे ना तो RPSC और ना UPSC में एग्जाम्स दे सकते है। इन्हें सरकारी नौकरी भी नहीं मिल सकती

कृषि मंत्री ने कहा कि एग्रीकल्चर डिपॉर्टमेंट के जरिए स्वढ्ढक्र दर्ज करवाऊंगा। एसओजी के अधिकारी से बात करूंगा कि उन्होंने जांच पूरी क्यों नहीं की। मंत्री किरोड़ी ने ने कहा कि एक तरफ प्रधानमंत्री किसानों की आय दुगुनी करना चाहते है। वहीं दूसरी और इस तरह की यूनिवर्सिटी बच्चों का भविष्य खराब कर रही है। मेवाड़ यूनिवर्सिटी ने एक साल पहले सरकार को शपथ पत्र दिया था कि हमारे द्वारा ढ्ढष्टक्रसे मान्यता ली जाएगी, लेकिन अभी तक नहीं ली।

शिकायत कर्ता बोला- बिना कुछ सही जवाब लिखे पास किया

मंत्री को शिकायत करने वाले बीकानेर के स्वतंत्र बिश्नोई ने बताया कि वह कॉमर्स फील्ड से है, लेकिन उनको बीकानेर के एक दलाल ने 50000 रूपए लेकर मेवाड़ यूनिवर्सिटी भेजा। यहां ऑनलाइन या ऑफलाइन पढ़ाई नहीं हुई।

डायरेक्ट एग्जाम्स के लिए बुलाया। एग्जाम की हाथों हाथ कॉपियां चेक हुई। बिना कुछ सही जवाब लिखे फर्स्ट डिवीजन में पास कर दिया और डिग्री दे दी। स्वतंत्र बिश्नोई ने मंत्री किरोड़ीलाल को इस सम्बन्ध में शिकायत की थी। स्वतंत्र ने बताया कि जब मैंने कुछ लिखा ही नहीं था तो उन्होंने मुझे पास कैसे किया।

सम्पादकीय

आवारा कुत्तों के आतंक से बेबस जनता

देश के कई हिस्सों में आवारा कुत्तों के हमलों और रेबीज की बीमारी से होने वाली मौतों की घटनाओं को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए चिंता जताई है। भारत में आवारा कुत्तों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इनके कारण जनजीवन और खासकर शहरी जीवन पर व्यापक प्रभाव पड़ रहा है। यह समस्या केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि सामाजिक, स्वास्थ्य और प्रशासनिक संकट भी बनती जा रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार देश में कुत्तों की संख्या छह करोड़ के करीब है, पर अनुमान है कि यह संख्या 12 करोड़ से भी अधिक है।

अकेले दिल्ली में ही आठ लाख से अधिक कुत्ते हैं और हर

रोज कुत्तों द्वारा काटे जाने के करीब 2,000 मामले आते हैं। मुंबई, बेंगलुरु, कोलकाता, लखनऊ जैसे महानगरों में लाखों कुत्ते सड़कों पर घूमते देखे जा सकते हैं। छोटे शहरों और कस्बों में स्थिति और भी चिंताजनक है, क्योंकि वहां इनकी देखभाल या नियंत्रण के कोई ठोस उपाय नहीं हैं। यह विडंबना ही है कि मानव द्वारा बसाए गए शहरों में अब आवारा कुत्तों के आतंक के चलते बच्चे खेलने, बुजुर्ग अकेले टहलने, लोग पैदल चलने और दोपहिया वाहन चलाने से डरने लगे हैं। अचानक हमला कर देने वाले कुत्ते जानलेवा साबित हो रहे हैं। रात के समय तो इनका आतंक और बढ़ जाता है।

सबसे भयावह समस्या है आवारा कुत्तों का काटना और उससे होने वाली बीमारी रेबीज। भारत में हर साल 15-20 लाख लोगों को कुत्ते काटते हैं और लगभग 20,000 मौतें रेबीज के कारण होती हैं। यह संख्या विश्व में सबसे अधिक है। इससे देश की स्वास्थ्य सेवाओं पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। कई बार समय पर रेबीज का टीका न मिलने पर पीड़ित को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ते हैं।

ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में तो स्थिति और भी खराब है। देश में पशु अधिकारों की बात करने वाले कई संगठन हैं, जो कुत्तों के संरक्षण के पक्ष में हैं। वे कहते हैं कि ये जीव निर्दोष हैं, उन्हें मारना या हटाना अमानवीय होगा। उनकी यह भावना सही है, पर जब यही कुत्ते बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए खतरा बन जाएं, तो क्या जनहित को प्राथमिकता नहीं मिले? एक ओर पशु प्रेम है, तो दूसरी ओर इंसानी सुरक्षा।

यह संघर्ष अब सड़कों और अदालतों तक पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट ने हाल में एक मामले में टिप्पणी की कि जिनको कुत्तों से प्रेम है, वे उन्हें अपने घर ले जाकर खाना खिलाएं, सड़कों पर नहीं। तमाम रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) मांग कर रहे हैं कि सड़कों पर कुत्तों को खाना खिलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई हो और सभी आवारा कुत्तों को शेल्टर होम भेजा जाए। शहरों में 'नो डाग आन स्ट्रीट पालिसी' लागू की जाए।

हालांकि आवारा कुत्तों की नसबंदी कर उनकी आबादी को नियंत्रित करने के लिए नगर निगमों के पास एनिमल बर्थ कंट्रोल(एबीसी) योजना है, लेकिन वह कागजों में सिमट कर रह गई है। कुत्तों की नसबंदी एवं उनका वैक्सीनेशन ठीक से हो नहीं रहा, क्योंकि यह काम मुख्य रूप से एनजीओ पर छोड़ दिया गया है, जिनमें काफी भ्रष्टाचार है। एबीसी रूल्स, 2023 में संशोधन की आवश्यकता है, क्योंकि उसके नियम सोसायटियों पर अत्यधिक बोझ डालते हैं। इन नियमों में लोगों को कुत्तों को सोसायटी परिसर में ही खिलाने और उनके लिए जगह तय करने को कहा गया है। इससे अक्सर विवाद होते हैं। आखिर नसबंदी के बाद भी कुत्तों को मोहल्लों, सोसायटियों में ही क्यों छोड़ दिया जाता है। जो कुत्ते आक्रामक या काटने वाले हों, उन्हें तो वहां से हटाया जाना चाहिए। आवासीय परिसरों में आवारा कुत्तों पर प्रतिबंध लगना चाहिए, ताकि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। लोग मदद के लिए सरकारी विभागों को फोन करते हैं, शिकायतें दर्ज होती हैं, लेकिन कार्रवाई न के बराबर होती है। कभी-कभी परेशान लोग कटखने कुत्तों को भगा देते हैं, तो पशु प्रेमी व्यक्ति या संगठन उन पर केस कर देते हैं। कुत्ता पालतू हो या आवारा, उसे आदमी से अधिक अहमियत नहीं मिलनी चाहिए। आवारा कुत्तों का हल केंद्र एवं राज्य सरकारों को स्थानीय निकायों के साथ मिलकर खोजना होगा। इसके लिए नसबंदी अभियान तेज, पारदर्शी और तकनीकी रूप से सक्षम बनाया जाना चाहिए।

प्रधान संपादक - दयाराम दिव्य

सैंपऊ ब्लॉक के कूंकरा के सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मानवता को शर्मसार कर देने

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

राजकुमार सैन धौलपुर

वाला और समाज को हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है स्थानीय विद्यालय में तैनात एक पंचायत सहायक के द्वारा दो छोटी बच्चियों को स्कूल से घर छोड़ने के बहाने गाड़ी में बिठाया गया और उनके साथ छेड़छाड़ की हरकत की गई मामले की जानकारी जब बच्चियों ने प्रभारी जनों को दी तो उनमें आक्रोश फैल गया घटना 3 दिन पहले शुक्रवार की बताई जाती है जब बच्चियों ने अपने परिजनों को बताया तो रविवार को छुट्टी होने के कारण मामला शांत बना रहा लेकिन जैसे ही सोमवार को विद्यालय खुला और प्रिंसिपल सहित अन्य शिक्षक स्कूल पहुंचे तो पीड़ित बच्चियों के परिजन स्कूल पहुंच गए उन्होंने स्कूल का घेराव कर लिया और दोषी पंचायत सहायक को गांव वालों के हवाले किए जाने की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि इस घटना के बाद पंचायत सहायक सोमवार को स्कूल नहीं पहुंचा तो उन्होंने प्रिंसिपल एवं स्टाफ को आरोपी को विद्यालय बुलाने की मांग कर डाली प्रिंसिपल के द्वारा आरोपी पंचायत सहायक से बात की गई और उसे स्कूल आने को कहा गया। पंचायत सहायक के स्कूल पहुंचने पर ग्रामीणों के द्वारा उसकी पिटाई कर दी और जूते की माला पहना दी। लोगों के द्वारा पंचायत सहायक के द्वारा की गई नीचता पूर्ण हरकत की पुलिस एवं प्रशासन को शिकायत की गई है। मामले को लेकर पीड़ित बालिकाओं के परिजन स्थानीय पुलिस थाने पर मामला दर्ज करने के लिए पहुंचे हैं।0

त्रिवेणी काछोला मार्ग पर बारिश के पानी से पुलिया पर ओवरफ्लो के कारण सुरक्षा की दृष्टि से कुछ समय के लिए प्रशासन ने रोका आवागमन

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

भीलवाड़ा। त्रिवेणी-काछोला मार्ग पर बारिश के कारण पुलिया से पानी ओवरफ्लो हो रहा है, जिसे देखते हुए सुरक्षा की दृष्टि से स्थानीय प्रशासन द्वारा कुछ समय के लिए आवागमन रोका गया है। यह एक सामान्य एहतियाती कदम है और जैसे ही स्थिति सामान्य होगी, मार्ग पुनः चालू कर दिया जाएगा।

जिला कलेक्टर श्री जसमीत सिंह संधू के निर्देशन में संपूर्ण जिले में स्थानीय प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है और स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासियों से अनुरोध है कि वे प्रशासन द्वारा जारी दिशानिर्देशों का पालन करें एवं किसी भी प्रकार की समस्या होने पर संबंधित नियंत्रण कक्ष से संपर्क करें।

मांडलगढ़ उपखंड अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि मांडलगढ़ के नजदीक समस्त क्षेत्रों का आपस में संपर्क बना हुआ है सुरक्षा व हादसों से बचाव की दृष्टि से कुछ समय के लिए आवागमन रोक गया है पुनः स्थिति सामान्य होने पर आवागमन शुरू किया जाएगा।

आकांक्षी ब्लॉक कोटड़ी का जिला स्तरीय सम्मान समारोह आयोजित

भीलवाडा, 28 जुलाई। ग्रामीण हाट बाजार में नीति आयोग द्वारा चयनित आकांक्षी ब्लॉक कोटड़ी का जिला स्तरीय सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

भीलवाडा विधायक श्री अशोक कोठारी ने अधिकारियों से आकांक्षी ब्लॉक कोटड़ी में अधिक से अधिक योजनाओं के साथ जुड़कर लोगों को लाभान्वित करने का आह्वान किया। जिला प्रमुख श्रीमती बरजी भील ने कोटड़ी ब्लॉक को राजस्थान में प्रथम स्थान प्राप्त होने पर बधाई दी और आश्वासन दिया कि इसे विकास के नए शिखर पर पहुँचाया जाएगा।

मुख्य आयोजना अधिकारी सोनल राज कोठारी ने कोटड़ी ब्लॉक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित विकास कार्यों और योजनाओं की

जानकारी दी और बताया कि कैसे समन्वित प्रयासों से सकारात्मक बदलाव लाए जा रहे हैं।

राजीविका से अमित जोशी ने राजीविका के कार्यों पर चर्चा की और बताया कि कैसे महिलाओं को स्वावलंबी बनाया जा रहा है और राजस्थान में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। कोटड़ी प्रधान श्री करण सिंह बेलवा ने अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के प्रयासों की सराहना की और बताया कि कैसे उनके संयुक्त प्रयासों से विकास की गति तेज हुई है।

उप जिला प्रमुख श्री शंकर गुर्जर ने अधिकारियों के कार्यों की सराहना की और उन्हें कोटड़ी ब्लॉक को विकास के पथ पर अग्रसर रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम में राजीविका द्वारा निर्मित उत्पादों की बिक्री के लिए 6 दिवसीय ग्रामीण हाट बाजार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का जिला परिषद सीईओ ने अवलोकन किया। समारोह में सभी जिला और ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को सम्मानित किया गया।

सम्मान समारोह में उप प्रधान श्री कैलाश सुथार, ब्लॉक कॉर्डिनेटर गौरव पारीक सहित गणमान्यजन उपस्थित रहे।

जिला कलेक्टर के आदेशानुसार असुरक्षित राजकीय भवनो का प्रशासन द्वारा सघन निरीक्षण

भीलवाड़ा जिला कलेक्टर श्री जसमीत सिंह संधु ने राज्य सरकार के निर्देशानुसार जिले के समस्त विद्यालयों (सरकारी एवं आवश्यकता अनुसार निजी) और आंगनबाड़ी केन्द्रों का सघन निरीक्षण करवाने के सख्त निर्देश जारी किए है जिससे असुरक्षित, जर्जर और क्षतिग्रस्त भवनों की पहचान की जा सके और हादसों की संभावनाओं को रोका जा सके। इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए जिला कलेक्टर द्वारा एक कमेटी का गठन किया गया है, जिसमें उपखण्ड अधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी, तहसीलदार, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी और अधिशासी/सहायक अभियंता, सार्वजनिक निर्माण विभाग शामिल हैं।जिला कलेक्टर द्वारा कमेटी को निर्देश दिया गया है कि वे 3 दिवस में समस्त विद्यालयों और आंगनबाड़ी केन्द्रों व राजकीय भवनों का सघन निरीक्षण करे। आदेशों की अनुपालना में असुरक्षित भवनों का गहनता से निरीक्षण किया जा रहा है एवं आगामी 2 दिवसों में कमेटी जिला कलेक्टर के समक्ष विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी जिला प्रशासन का उद्देश्य बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा के लिए एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करना है।जिला प्रशासन आम जनता से अपील करता है कि वे इस महत्वपूर्ण कार्य में सहयोग करें और किसी भी असुरक्षित भवन की जानकारी जिला प्रशासन को दें।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2025

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

भीलवाड़ा, 29 जुलाई। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्देशित विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत जिलेभर में बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) और पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी कड़ी में सेठ मुरलीधर मानसिंहका राजकीय कन्या विद्यालय में चल रहे प्रशिक्षण का जिला निर्वाचन अधिकारी श्री जसमीत सिंह संधू ने मंगलवार को औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रशिक्षण ले रहे बीएलओ एवं पर्यवेक्षकों से संवाद करते हुए उन्हें मतदाता सूची के शुद्धिकरण संबंधी कार्यों को पूरी निष्ठा, पारदर्शिता और सावधानी से करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फॉर्म संकलन,

जन्मतिथि सत्यापन, मतदाता सहायता, और बुजुर्ग एवं दिव्यांग मतदाताओं के प्रति उत्तरदायित्व को लेकर सभी बीएलओ को स्पष्ट और व्यवहारिक समझ होनी चाहिए।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश देते हुए कहा कि हर बीएलओ को यह स्पष्ट रूप से पता होना चाहिए कि उसे कितने पात्र मतदाताओं को जोड़ना है। हर फॉर्म को नियमों के अनुरूप जांचकर ही स्वीकार या अस्वीकार किया जाए। अगर किसी प्रक्रिया को लेकर शंका हो तो तुरंत मास्टर ट्रेनर या वरिष्ठ अधिकारी से स्पष्ट करें। उन्होंने फॉर्म की गंभीरता, दस्तावेजों की प्रमाणिकता और अनुक्रमांक के क्रम में दर्ज करने की प्रक्रिया को सही तरीके से समझने पर बल दिया। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि 11 आवश्यक दस्तावेजों की सूची के बारे में मास्टर ट्रेनर्स से जानकारी अवश्य लें। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण को अधिक प्रभावी और सहभागी बनाने के लिए इसे छोटे-छोटे समूहों में आयोजित किया गया है ताकि हर बीएलओ और पर्यवेक्षक को पर्याप्त समय और स्पष्टीकरण मिल सके। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री ओमप्रकाश मेहरा ने भी प्रशिक्षण में मौजूद अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण को गंभीरता से लें, अच्छे से सीखें और यदि कोई संशय हो तो 'डाउट सेशन' के माध्यम से उसे तुरंत क्लियर करें। इसी से कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित होगी। कार्यक्रम के दौरान बीएलओ के कार्यों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें लोकतंत्र की पहली कड़ी बताया गया और प्रशिक्षण को पूर्ण मनोयोग से लेने की अपील की गई। निरीक्षण के दौरान उपखंड अधिकारी दिव्यराज सिंह, तहसीलदार दिनेश साहू सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण भी मौजूद रहे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भीलवाड़ा के निर्देशानुसार नरेगा स्थल पर विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

सुरज वर्मा

शाहपुरा शहर में राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भीलवाड़ा के निर्देशानुसार तालुका विधिक सेवा समिति, शाहपुरा के अध्यक्ष के मार्गदर्शन में पीएलवी आशा महावर द्वारा ग्राम माताजी का खेड़ा स्थित नरेगा कार्यस्थल पर विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में उपस्थित ग्रामीणों एवं असंगठित क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों को उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी दी गई। साथ ही आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन की सूचना भी साझा की गई, जिसमें नागरिक अपने लंबित मामलों का समाधान आपसी सहमति से करवा सकते हैंपीएलवी आशा महावर ने बाल विवाह, दहेज प्रथा और कन्या भ्रूण हत्या जैसे सामाजिक कुरीतियों के दुष्परिणामों पर विस्तार से प्रकाश डाला और इनके उन्मूलन के लिए सभी को जागरूक होने का आह्वान किया।शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और विधिक जानकारी प्राप्त की।

जल, जंगल, जमीन हमारी धरोहर इनका संरक्षण करें- राजवीर सिंह राजावत

वृक्ष लगाने के लिए अति उत्तम समय अधिक से अधिक वृक्ष लगाए- रामस्वरूप कोली

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

राजकुमार सैन धौलपुर

आज दिनांक 28 जुलाई 2025 को प्रदेश भाजपा के उपाध्यक्ष मोतीलाल मीणा ने धौलपुर जिले में हरियालो राजस्थान के अंतर्गत हुए कई कार्यक्रम मोतीलाल मीणा ने कार्यक्रम मैं बोलते हुए कहा कि बिना जन भागीदारी के वृक्षारोपण संभव नहीं भाजपा कार्यकर्ता जन जन तक जाएं आमजन को वृक्षारोपण करने एवं उनका संरक्षण करने के लिए प्रेरित करें, हिंदुस्तान पेट्रोल पम्प सरमथुरा पर बोलते हुए राजवीर सिंह राजावत ने कहा कि जल, जंगल और जमीन यह हमारी धरोहर है आगे आने वाली पीढ़ी के लिए हमें इनको सुरक्षित तरीके से सजोए रखना होगा, कंचनपुर में

वृक्षारोपण कार्यक्रम हुआ कार्यक्रम में पूर्व सांसद रामस्वरूप कोली ने कहा कि इस बार वर्षा अच्छी हुई है इस बात का हम सभी को परमात्मा का धन्यवाद देना चाहिए, इस समय वृक्ष लगाने के लिए मौसम अनुकूल एवं उत्तम है थोड़ी बहुत देखभाल में ही सारे वृक्ष पनप जाएंगे इसी तरह सरमथुरा के राजपूत छात्रावास में भी वृक्षारोपण हुआ, महात्मा गांधी विद्यालय गस्तीपुरा सरमथुरा, एवं राजा रानी गार्डन सरमथुरा पर भी सघन वृक्षारोपण हुआ हरियाला राजस्थान धौलपुर जिले के जिला संयोजक दुर्गा सिंह अड़ना, जिला महामंत्री नवल लोधा, मदन कोली, जिला उपाध्यक्ष धीर सिंह जादौन, पूर्व जिला उपाध्यक्ष कमल पहाड़िया, वरिष्ठ कार्यकर्ता वाचरम वाघेला, शिवम राजावत, डॉ मनोज शर्मा, प्रदीप सिसोदिया, विवेक रावत, लाला गलेथा, सहित सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे..

श्री खान्या के बालाजी मन्दिर प्रांगण में आज से श्री शिव महापुराण कथा आज से प्रारम्भ

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

शाहपुरा राजेन्द्र खटीक।

शाहपुरा-नृसिह बाजार से कलश की पुजा करके शोभायात्रा रवाना हुई जो तेजाजी के मंदिर,भाणा गणेश जी मंदिर होते हुए खान्या के बालाजी मंदिर प्रांगण पहुची जहा कथा वाचक पंडित देवकिशन शास्त्री की पुजा करके फिर खान्या के बालाजी व संत रामदास त्यागी महाराज से आशीर्वाद लेकर शोभायात्रा का समापन किया गया।यह श्री शिव महापुराण कथा 29 जुलाई मंगलवार से 6 अगस्त बुधवार तक दोपहर 1बजे से साय 5 बजे तक चलेगी।सभी भक्तों को रोजाना कथा का आनन्द जरूर लेना है।आज की इस शोभायात्रा में कलाकार ने मुह में पेट्रोल भरकर आग लगाने वाला बहुत ही अच्छा करतब दिखाया है।

यह श्री शिव महापुराण कथा संत रामदास त्यागी महाराज के सानिध्य में शुरू की गई कथा वाचक पण्डित देवकिशन शास्त्री कथा का आयोजन करेंगे आज के इस कार्यक्रम में राजेन्द्र खटीक, राधेश्याम धोबी,मधु सुदन शर्मा, गोपाल माली,राम प्रसाद सुवालका,देव करण माली,मुन्ना टेपण,शंकर खींची,गोपाल जीनगर,किशन माली,पंकज कुम्हार,किशन गुर्जर, मोहित सैनी व महिला मंडल से महिला मंडल अध्यक्ष विमला शर्मा,अंजली भाटी,अंजली गाडरी,आशा बाछड़ा,चंदा पाराशर, सीता बाछड़ा,कांता भाटी,कमला बाछड़ा,सुशीला भाटी,विमला टेपण,रेखा भाटी,दुर्गा खींची,पुष्पा चावला व लीला चावला आदि भक्तगण मोजुद रहे।

गेगा का खेडा नई आबादी स्थित विद्यालय की छत से टपक रहा पानी, जल व्यवस्था भी ठप – नायब तहसीलदार और पटवारी ने किया निरीक्षण

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

आकोला (रमेश चंद्र डाड)

नई आबादी, गेगा का खेड़ा- आज ग्राम पंचायत गेगा का खेड़ा (नई आबादी) स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय का नायब तहसीलदार एवं पटवारी द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय की छत से पानी टपकने की समस्या पाई गई, जिससे कक्षाओं में पढ़ाई प्रभावित हो रही है। साथ ही विद्यालय में पेयजल व्यवस्था भी पूरी तरह से ठप पाई गई।

विद्यालय की इस दुर्दशा को लेकर शिक्षकों और ग्रामीणों ने चिंता व्यक्त की। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने स्थिति का गंभीरता से संज्ञान लिया और जल्द से जल्द मरम्मत एवं जल आपूर्ति की व्यवस्था कराने का आश्वासन दिया।

जनसेवक दुर्गेश शर्मा ने भी उपस्थित होकर समस्या को देखा और कहा कि वे इस मुद्दे को संबंधित विभागों तक पहुँचाकर त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा

कि बच्चों की पढ़ाई किसी भी हाल में बाधित नहीं होनी चाहिए।

मानसून में ये भी गाते गुनगुनाते नहाते हैं..

आ गया है मानसून। मतलब खूब सारी बारिश और टर्र-टर्र करते मेंढक, मम्मी के हाथ का बना गर्म सूप और कागज की नाव तैराने का समय। ऊपर से सोने पर सुहागा यह कि स्कूल भी अभी बंद ही हैं, इसलिए तुम्हारे तो वारे-न्यारे हो गए हैं। तुम तो इस मौसम में खूब मस्ती करते हो, ये हमें पता है, पर क्या तुम्हें पता है कि जानवर-पक्षी क्या करते हैं? वो कैसे मजे करते हैं। चलो आज जरा घर से बाहर निकलें और इनकी दुनिया में चलें...

यूं तो बारिश में ज्यादातर जानवर और पक्षी छांव वाली जगह की तलाश में रहते हैं, जहां उन पर पानी न गिरे। इसके लिए वे किसी पेड़ के तने, गुफा, पत्ते के नीचे या जमीन के नीचे चले जाते हैं। लेकिन कई जानवर इस बारिश को खूब पसंद करते हैं। खासकर कुछ खास किस्म की चिड़िया गाना गाती हैं तो कुछ पंख फैलाकर नहाती हैं। बारिश के समय मैना, कोयल खूब गाना गाती हैं। चिड़ियों को बारिश खूब पसंद होती है। वो पेड़ की डाली पर बैठकर बारिश का मजा लेती हैं। पत्तों से टपकता पानी उन्हें खूब पसंद है। लेकिन कई तरह की चिड़िया इस मौसम के आने से पहले दूसरे इलाकों में कूच कर जाती हैं। इनमें व्हाइट रण्ड मनाकिंस खास है। अमेरिका में रहने वाली ये चिड़िया फल खाती है और दो-तीन घंटे से अधिक समय तक भोजन के बिना नहीं रह सकती। जैसे ही बारिश का मौसम आता है ये दूसरे इलाकों की ओर चली जाती हैं।

ऐसे बचाओ अपने पेट्स को

बारिश के समय तुम यह सुनिश्चित करो कि तुम्हारे पेट्स भीगें नहीं। अगर वो भीग भी गए हैं तो उन्हें तुरंत पोंछ दो। अगर उन्हें ठंड लग रही है तो किसी कंबल से ढंककर रखो। जैसे ही बारिश बंद हो तो उन्हें घुमाने कहीं बाहर ले जाओ। उनके साथ खूब खेलो, जिससे वे सुस्त न पड़ें। उनके फर और पंजों को साफ करते रहो। इस मौसम में सबसे ज्यादा जानवर बीमार होते हैं, इसलिए तुम उन पर नजर रखो। अगर उन्हें जलन-खुजलाहट हो रही है या बाल झड़ने लगे हैं तो यह इन्फेक्शन के पनपने की निशानी है। समय से वेक्सिनेशन करवाना जरूरी है।

मौसम बदलेगा, ये पहले से जान लेते हैं: भारी बारिश या तूफान आने से पहले ब्लैक कोकाटूस पहाड़ों से नीचे आना आरंभ कर देते हैं। ऐसा ये सुबह के समय करते हैं।

बिल्लियां अपने पैरों को चाटती हैं और उससे अपनी आंखों को साफ करती हैं। ऐसा माना जाता है कि बिल्ली के कान काफी तेज होते हैं और उन्हें मौसम बदलने से पहले ही कुछ ध्वनियां सुनाई देने लगती हैं, जिससे उनमें यह बदलाव आ जाता है।

गाय का बछड़ा यदि ज्यादा एक्टिव दिख रहा हो तो इसका मतलब है कि बारिश आने वाली है। बछड़ा ऐसे में अपनी आंखों क ो

खुजलाना आरंभ करता है। अगर कुत्ता अपनी पीठ के बल सोने लगे तो समझ लेना चाहिए कि मौसम बदल सकता है। अगर मेंढक चिल्लाने लगें तो मान लें कि 24 से 48 घंटे में बारिश गिरेगी। तोते बारिश होने से पहले खास तरह की आवाजें निकालना आरंभ कर देते हैं। कछुए अगर नदी को छोड़कर मैदानी इलाकों की ओर आएं तो समझ लीजिए कि बारिश या बाढ़ आने वाली है।

तुम्हारे लिए मस्ती का समय है ये...

स्कूल अभी कुछ दिन पहले ही खुले हैं और बारिश शुरू हो चुकी है। मतलब फुल टू मस्ती और धमाल करने का समय है ये। तुम बारिश में खूब नहा सकते हो, खेल सकते हो और चाहो तो घर की खिड़की से इसके नजारे देख सकते हो। पानी में छप-छप करना, दोस्तों को भिगोना, उन्हें छींटे मारना, नाव बनाकर तैराना कितना मजेदार होगा ना। हल्की बारिश में फुटबॉल खेलो, वॉलीबॉल खेलो, क्रिकेट खेलो और मस्ती करो। अगर मां घर से न निकलने दें तो पेंटिंग बनाओ या सूप पियो।

क्या करते हैं जानवर

तोता चुप रहता है और कोई जगह ढूंढकर वहां छिप जाता है। गिलहरी और चुहिया गर्म जगह की तलाश करते हैं और वहां से छिपकर बारिश देखते हैं। मेंढ़क, कछुए और मछली तालाब या झील के नीचे के भाग में स्थित पत्थरों में शरण लेते हैं। रेंगने वाले जीवों जैसे सांप आदि की खासियत होती है उनकी चमड़ी। चमड़ी पर प्रोटीन होता है, जिसे केरेटिन कहा जाता है। ये उनकी त्वचा को वॉटरप्रूफ बना देता है, इसलिए ये खूब नहाते हैं। ओरंगुटान किसी पेड़ के पत्तों से अपने सिर को ढंककर बैठ जाता है। पीले रंग की चिड़िया अमेरिकन गोल्डफिंचेस जरा सी देर भी गीला होकर नहीं रह सकती। बारिश शुरू होते ही वह सूखी जगह की तलाश कर वहां छिप जाती है। मोर बारिश शुरू होने से पहले नाचना शुरू कर देता है। मॉरनिंग डव्स को नहाना पसंद होता है। कठफोड़वा भी खूब नहाता है। बारिश के समय मेंढक तेज आवाजें निकालता है। तोता बारिश बंद होने के बाद एक डाली से दूसरी डाली तक आता-जाता है और नाचता है।

मानसून बोलो या काल वर्षा

मानसून शब्द अरबी भाषा के शब्द 'मौसिम' से बना है। केरल में मानसून को 'काल वर्षा' कहा जाता है। 'मानसून' उन मौसमी पवनों को कहते हैं, जो ठंड में महाद्वीपों से महासागरों की ओर और गर्मी में महासागरों से महाद्वीप की ओर चलती हैं।

बारिश में भीगो पर...

बारिश में भीगने में सभी को मजा आता है। चुभती-जलती गर्मी से राहत मिलती है, प्रकृति और भी सुंदर हो जाती है। जगह-जगह बहते झरने, नदियां कितने सुंदर लगते हैं। वैसे तो मम्मी-पापा भी बारिश को पसंद करते हैं, पर जब बारी बच्चों की आती है तो मम्मी ज्यादा देर बारिश में नहाने नहीं देतीं। जल्दी से घर में आ जाओ, बारिश में मत भीगो, बस इसी बात की रट लगाये रहती हैं। उनका कहना सही भी है, क्योंकि बारिश बच्चों के लिए बीमारियों का कारण भी बन सकती है। हां, अगर तुम इन बातों को ध्यान में रखो तो तुम बारिश का मजा भी ले सकते हो और बीमार भी नहीं पड़ोगे। इस मौसम में सबसे ज्यादा मच्छर पैदा होते हैं, जो कई बीमारियों को जन्म देते हैं। इसलिए घर में पानी इकट्ठा मत होने दो। इसके लिए तुम घर में नीम की सूखी पतियों का धुंआ कर सकते हो। मानसून में पीने के पानी में अक्सर गंदगी आ जाती है, जो टायफाइड, कॉलरा जैसी बीमारियां फैलाती है। इसलिए पानी उबालकर ही पीएं। बाहर का खाना न खाएं। बारिश के पानी में ज्यादा देर तक मत रहो। इससे तुम्हें स्किन की बीमारियां हो सकती हैं। इसलिए तुम रेनकोट, रेनबूट पहनो और छाता लेकर ही निकलो। जब भी भीगो तो जल्दी से कपड़े बदलो। इस समय गटर या मेनहोल्स के पास मत जाओ, क्योंकि ये सभी ओवरफ्लो होते हैं। मानसून में सर्दी-जुकाम और खांसी हो जाती है। इसलिए मम्मी जो दें वो ही खाओ। नाखूनों को काटकर रखो, क्योंकि बहुत सारी बीमारियां इन नाखूनों से ही पेट के अंदर जाती हैं। इस मौसम में तुम्हें बार-बार हाथ धोने चाहिये। अगर बारिश में तुम्हारे मोजे गीले हो जाएं तो उन्हें उतार दो, नहीं तो फंगल इन्फेक्शन हो सकता है। अगर तुम्हारे घर में एसी लगा है तो नहा कर सीधे उस कमरे में मत जाना, बीमार पड़ सकते हो। गीले बिजली के तारों को मत छूना और न ही उन पर फंसी कोई चीज लोहे के डंडे से निकालने की कोशिश करना।

जानो आइसक्रीम की हिस्ट्री

बच्चों! आइसक्रीम हर किसी को ललचाती है। आज बाजार में आइसक्रीम वनीला, चॉकलेट, स्ट्रॉबेरी, मैंगो, पाइनऐपल आदि के स्वाद के साथ कोन, कप, स्टिक आदि के आकर्षक पैकेज में मौजूद है, लेकिन क्या आपको पता है कि आखिर तरह-तरह की वेरायटी वाली आइसक्रीम बनी कैसे, इसकी शुरुआत कब और कैसे हुई? आइए जानें इस बारे में..

वैसे यह निश्चित रूप से मालूम नहीं है कि सबसे पहले आइसक्रीम कैसे बनी और इसकी शुरुआत कैसे हुई, लेकिन एक किंवदंती के अनुसार, लगभग दो हजार साल पहले रोमन सम्राट नीरो ने अपने गुलामों से कहा था कि वे पास के पहाड़ों से बर्फ ले आयें। नीरो ने उस बर्फ में फलों का रस, शहद आदि मिलाया और उसका आनंद लिया. इसे ही आइसक्रीम की शुरुआत माना जा सकता है। समय बीतने के साथ लोग बर्फ में अन्य स्वादिष्ट चीजें मिलाकर खाने लगे और सन् 1600 तक आइसक्रीम काफी लोकप्रिय हो चुकी थी। इसके बाद लोग अनेक प्रकार के प्रयोग करके इसे नया-नया रूप, आकार व स्वाद देकर और लोकप्रिय बनाते चले गये। एक बार पार्टियों में वेटर का काम करने वाले रॉबर्ट ग्रीन नामक व्यक्ति ने मजबूरीवश एक प्रयोग कर डाला। उस समय क्रीम और काबरेनेटेड पानी मिला कर एक पेय बनाया जाता था जो कई दशकों तक खासा लोकप्रिय रहा था। एक पार्टी में उस पेय के लिए क्रीम कम पड़ गई। ग्रीन ने उसकी जगह वनीला आइसक्रीम डाल दी। आइसक्रीम एक फोम के रूप में गिलास में ऊपर तक भर गई और वह घोल काफी स्वादिष्ट बन पड़ा था और जल्दी ही वह लोकप्रिय हो गया। इसे आइसक्रीम सोडा के नाम से पुकारा जाने लगा। इसी तरह के मजबूरीवश किये प्रयोगों ने अन्य प्रकार की आइसक्रीम्स को जन्म दिया।

संडे आइसक्रीम

स्मिथसन नामक व्यक्ति के पास एक छोटा-सा रेस्त्रं था, जिसमें लोग आइसक्रीम खाने अक्सर आते थे. 1890 के एक रविवार के दिन उसके रेस्त्रं में आइसक्रीम कम पड़ने लगी और दूसरी चीजें, जैसे फल, विभिन्न प्रकार की चॉकलेटें, क्रीमें आदि काफी थीं। रविवार को आइसक्रीम की आपूर्ति नहीं होती थी इसलिए स्मिथसन ने आइसक्रीम की मात्र कम कर दी तथा उसके ऊपर फल, चॉकलेट सिरप और दूसरी गाढ़ी क्रीम डालना प्रारंभ कर दिया। जब ग्राहकों ने इसकी तारीफ करना प्रारंभ कर दिया तो उसने इस आइसक्रीम का नाम संडे आइसक्रीम रख दिया। अब वह हर रविवार को संडे आइसक्रीम देने लगा। धार्मिक कारणों से कुछ लोगों द्वारा संडे नाम का विरोध करने पर स्मिथसन ने संडे आइसक्रीम में संडे की स्पेलिंग बदल डाली।

कोन वाली आइसक्रीम

कुरकुरे कोन में आइसक्रीम खाने का अलग ही आनंद है। इसकी शुरुआत भी मजबूरी में ही हुई। 1904 में सेंट लुई मेले में दो व्यक्ति खाने की वस्तुओं के काऊंटर पर अगल-बगल खड़े थे। एक पेपर की प्लेटों में आइसक्रीम बेच रहा था और दूसरा वेफर पर (पेस्ट्री जैसा लगने वाला) जिसके ऊपर चीनी के दाने चिपके हुए थे। अगस्त का महीना था और लोग धड़ाधड़ आइसक्रीम ले रहे थे। वेफर बेचने वाला मुंह ताक रहा था। तभी अचानक कागज की प्लेटें कम पड़ गईं और आइसक्रीम वाले को लगा कि अब उसे अपना काऊंटर बंद करना पड़ेगा। तभी वेफर बेचने वाला उसकी मदद के लिए आगे आया। उसने वेफल से कोन बनाया और दोनों उसमें आइसक्रीम भर कर बेचने लगे। लोगों को कुरकुरा वेफ र आइसक्रीम के साथ बहुत भाया तथा अब वह खूब बिकने लगा। 1920 तक एक-तिहाई आइसक्रीम कोन में बिकने लगी।

चॉकलेट आइसक्रीम

एक दिन क्रिश्चियन नेल्सन नामक व्यक्ति अमेरिका के आयोवा में स्थित अपनी दुकान में आइसक्रीम व चॉकलेट बेच रहा था। तभी एक बालक हाथ में सिक्के लिए दुकान में आया और आइसक्रीम की फरमाइश की। फिर उसने इरादा बदल दिया और चॉकलेट की फरमाइश कर डाली। नेल्सन को लगा कि यह बालक तभी संतुष्ट हो पायेगा जब उसे दोनों स्वाद मिलेंगे। उसने आइसक्रीम की एक स्लाइस काटी तथा उसके दोनों ओर चॉकलेट की पतली परत चिपका दी और तभी चॉकलेट आइसक्रीम की खोज हो गयी। अब वह नयी चॉकलेट वाली आइसक्रीम जमाने लगा। उसने इस दिशा में अनेक प्रयोग भी कर डाले ताकि चॉकलेट उसकी आइसक्रीम से भली प्रकार चिपक जाये। उसे सफलता आसानी से नहीं मिल रही थी। तभी उसको एक सेल्समैन ने सलाह दी कि वह कोको बटर का प्रयोग करे। अब नेल्सन ने नये सिरे से प्रयोग प्रारंभ कि ये। 1920 में एक रात उसने आइसक्रीम की एक स्लाइस चॉकलेट के मिश्रण में डाली। कुछ देर बाद चॉकलेट ठंडा होकर आइसक्रीम के चारों ओर जम गया। इसके साथ ही चॉकलेट लगी आइसक्रीम खासी लोकप्रिय हो गई।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक दयाराम दिव्य द्वारा मुद्रक वेदांत प्रभाकर, मेधा कम्प्यूटर्स एंड ऑफसेट प्रिंटर्स, ऑफिस नं. 128, वार्ड नं. 25, नंदभवन कांवाखेड़ा पार्क के पास, भीलवाड़ा 311001 (राज.) से मुद्रित एवं एस-20, प्रतापनगर, भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। संपादक दयाराम दिव्य 96949 57624, 87695 58132 * PRB एक्ट के तहत ख़बरों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भीलवाड़ा होगा